Literacy for a Billion

Movie: Betaab
Year: 1983

Song: Parbaton Se Aaj Main Takra
Lyricist: Anand Bakshi

परबतों से आज मैं टकरा गया
तुमने दी आवाज़ लो मैं आ गया

हो ... परबतों से आज मैं टकरा गया
तुमने दी आवाज़ लो मैं आ गया
तुमने दी आवाज़ लो मैं आ गया

तुम बुलाओ मैं ना आऊँ
ऐसा हरजाई नहीं
हो तुम बुलाओ मैं ना आऊँ
ऐसा हरजाई नहीं

इतने दिन तुमको ही मेरी
इतने दिन तुमको ही मेरी
याद तक आई नहीं

आ गया यादों का
मौसम आ गया
तुमने दी आवाज़ लो मैं आ गया

उम्र ही ऐसी है कुछ ये
तुम किसी से पूछ लो
एक साथी की ज़रूरत
पड़ती है हर एक को
दिल तुम्हारा इसीलिए
घबरा गया
तुमने दी आवाज़ लो मैं आ गया

खोलकर इन बंद आँखों
को झरोखों की तरह
खोलकर इन बंद आँखों
को झरोखों की तरह
चोर आवारा हवा पे
चोर आवारा हवा पे
मस्त झोंकों की तरह
रेशमी जुल्फ़ों को मैं बिखरा गया

तुमने दी आवाज़ लो मैं आ गया

हो ... परबतों से आज मैं टकरा गया
तुमने दी आवाज़ लो मैं आ गया

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.